**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1467**

 **01 जनवरी, 2018 को उत्तर के लिए**

 **आयुध कारखानों का मूल्य निर्धारण तंत्र**

**1467. श्री प्रताप सिंह बाजवा :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. आयुध कारखानों द्वारा सशस्त्र बलों हेतु विनिर्मित उत्पादों के लिए अपनाए गए मूल्य निर्धारण तंत्र का ब्यौरा क्या है;
2. गत तीन वर्षों के दौरान जनरल स्टोर्स और कपड़ों के मामले में पांच कारखानों को कुल कितना घाटा हुआ और तत्संबंधी कारण क्या हैं; और
3. इस कारखानों को चलाने में सामने आई कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क): आयुध निर्माणियों द्वारा सेनाओं के लिए विनिर्मित उत्पादों के मूल्य वित्तीय वर्ष के आरंभ में निम्नलिखित के आधार पर पूर्वानुमानित किए जाते हैं :-

(i) गत तीन वर्षों के उत्पादन की वास्तविक लागत

(ii) गत वर्ष के लिए निर्गत मूल्य

(iii) सामग्री लागत, श्रम लागत और ऊपरी लागत के साथ-साथ वर्ष के दौरान उत्पादन की वास्तविक लागत में मौजूदा रूझान के अनुसार नवीनतम अनुमानित लागत ।

(ख) और (ग): गत तीन वर्षों के दौरान, आयुध उपस्कर समूह की पांच निर्माणियों में कोई हानि अथवा घाटा नहीं हुआ है । वर्ष 2014-15 में, आयुध पैराशूट निर्माणी, जो ओईएफ समूह की पांच निर्माणियों में से एक है, में 12.77 करोड़ रु. का घाटा हुआ था । तथापि, वर्ष 2014-15 में ओईएफ समूह की पांच निर्माणियों का एक साथ 104.95 करोड़ रु. का अधिशेष था । सुधारात्मक कार्रवाई के रूप में, आयुध पैराशूट निर्माणी (ओपीएफ) के उत्पाद-मिश्रणों को बदल दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप निर्माणी में वर्ष 2015-16 में 1.78 करोड़ रुपए का अधिशेष और वर्ष 2016-17 में 62.44 करोड़ रुपए का अधिशेष था ।

\*\*\*\*\*\*